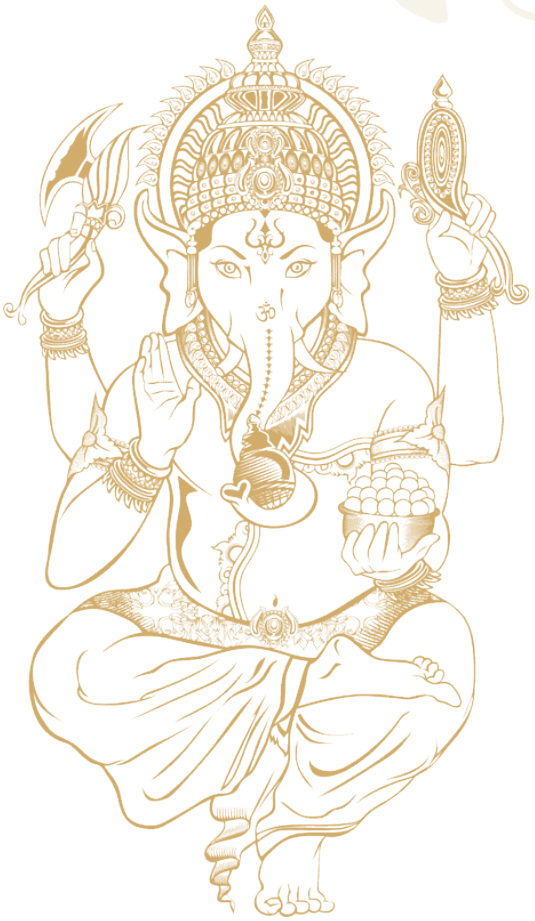

Mr.

27 Aug 1975

10:10 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119183902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/08/1975**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:10:00 घंटे**
इष्ट	10:16:17 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:43:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:43 घंटे
साम्पातिक काल	08:02:31 घंटे
सूर्योदय	06:03:29 घंटे
सूर्यास्त	18:52:47 घंटे
दिनमान	12:49:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:47:04 सिंह
लग्न के अंश	03:41:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:41:18	317:03:44	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	09:47:04	00:57:54	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	08:26:00	11:57:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			वृष	13:51:35	00:34:40	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध			कन्या	01:21:59	01:29:26	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	00:55:46	00:02:27	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	10:20:49	00:37:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			कर्क	04:16:54	00:06:50	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	01:48:48	00:02:51	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:48:48	00:02:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष			तुला	05:56:12	00:02:29	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
नेप			वृश्चि	15:30:35	00:00:11	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	14:15:11	00:02:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	04:59:43	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:16

लग्न-चलित

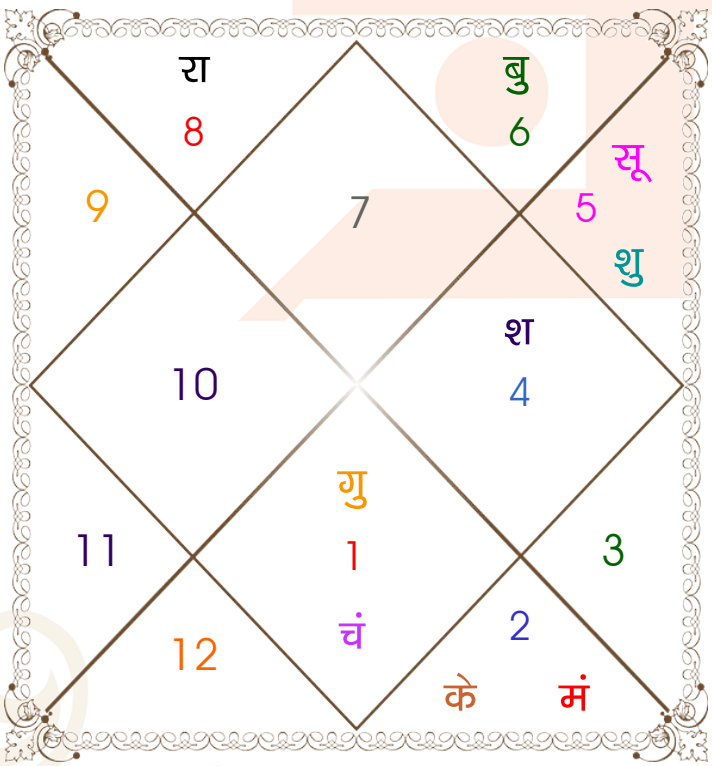

चन्द्र कुंडली

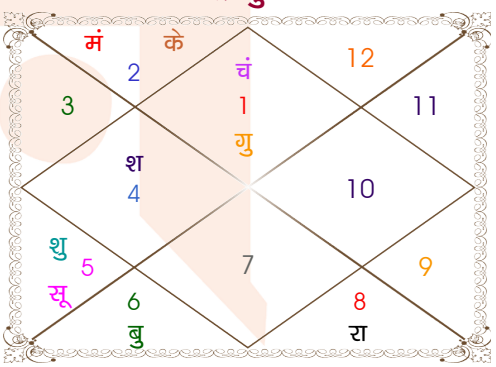

नवमांश कुंडली

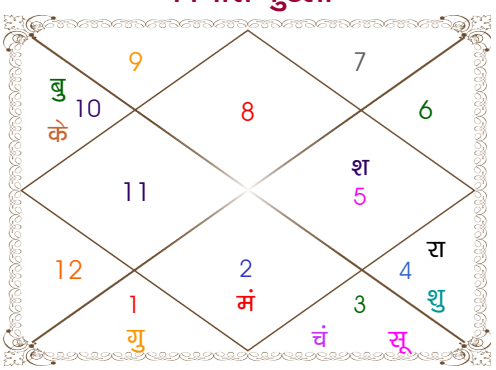

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/08/1975		24/03/1978		24/03/1998		23/03/2004		24/03/2014	
24/03/1978		24/03/1998		23/03/2004		24/03/2014		23/03/2021	
	00/00/0000	शुक्र	23/07/1981	सूर्य	11/07/1998	चंद्र	21/01/2005	मंगल	20/08/2014
	00/00/0000	सूर्य	23/07/1982	चंद्र	10/01/1999	मंगल	22/08/2005	राहु	07/09/2015
	00/00/0000	चंद्र	23/03/1984	मंगल	18/05/1999	राहु	21/02/2007	गुरु	13/08/2016
	00/00/0000	मंगल	23/05/1985	राहु	10/04/2000	गुरु	22/06/2008	शनि	22/09/2017
	00/00/0000	राहु	23/05/1988	गुरु	27/01/2001	शनि	22/01/2010	बुध	19/09/2018
	27/08/1975	गुरु	22/01/1991	शनि	09/01/2002	बुध	23/06/2011	केतु	15/02/2019
गुरु	16/02/1976	शनि	24/03/1994	बुध	16/11/2002	केतु	22/01/2012	शुक्र	16/04/2020
शनि	26/03/1977	बुध	21/01/1997	केतु	24/03/2003	शुक्र	22/09/2013	सूर्य	22/08/2020
बुध	24/03/1978	केतु	24/03/1998	शुक्र	23/03/2004	सूर्य	24/03/2014	चंद्र	23/03/2021

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/03/2021		24/03/2039		24/03/2055		24/03/2074		24/03/2091	
24/03/2039		24/03/2055		24/03/2074		24/03/2091		00/00/0000	
राहु	04/12/2023	गुरु	11/05/2041	शनि	27/03/2058	बुध	19/08/2076	केतु	20/08/2091
गुरु	29/04/2026	शनि	22/11/2043	बुध	04/12/2060	केतु	16/08/2077	शुक्र	19/10/2092
शनि	05/03/2029	बुध	27/02/2046	केतु	13/01/2062	शुक्र	16/06/2080	सूर्य	24/02/2093
बुध	22/09/2031	केतु	03/02/2047	शुक्र	14/03/2065	सूर्य	23/04/2081	चंद्र	25/09/2093
केतु	10/10/2032	शुक्र	04/10/2049	सूर्य	24/02/2066	चंद्र	22/09/2082	मंगल	21/02/2094
शुक्र	11/10/2035	सूर्य	23/07/2050	चंद्र	25/09/2067	मंगल	19/09/2083	राहु	12/03/2095
सूर्य	03/09/2036	चंद्र	22/11/2051	मंगल	03/11/2068	राहु	08/04/2086	गुरु	27/08/2095
चंद्र	05/03/2038	मंगल	28/10/2052	राहु	10/09/2071	गुरु	14/07/2088		00/00/0000
मंगल	24/03/2039	राहु	24/03/2055	गुरु	24/03/2074	शनि	24/03/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 6 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।